Dr. Gautamkumar
BA(H) part-I
paper II

महात्मा गाँधी (Mahatama Gandhi)

जीवन परिचय

महात्मा गाँधी का जन्म 02 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबन्दर में हुआ था। उनके पिता का नाम करमचंद गाँधी तथा माता का नाम पुतलीबाई था। उनकी माता धार्मिक प्रवृत्ति की थी। अल्पायु (12वर्ष) की आयु में ही उनका विवाह कस्तुरबा गाँधी से हो गया। सन् 1888 ई० में वे कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैण्ड चले गए। वे सन् 1891 ई० में लन्दन से लौटे और बम्बई में वकालत करनी प्रारम्भ कर दिए। इसी बीच उन्हें आवश्यक कार्य से (मुकदमे की पैरवी) करने के लिए दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने भारतीयों पर हो रहे अंग्रेजी अत्याचार को देखा तथा अंग्रेजों द्वारा काले-गोरे के भेद को देखकर उन्हें काफी आघात पहुँचा। सन् 1906 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका सरकार के (Asiatic Registration Act) के विरुद्ध सफलतापूर्वक सत्याग्रह किया।

9 जनवरी 1915 को गाँधी जी भारत लौटे और लगभग एक वर्ष तक उन्होंने भारत का भ्रमण किया। महात्मा गाँधी अपना राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले को मानते थे। उन्होंने वर्ष 1916 में लखनऊ अधिवेशन में भाग लिया। उसी वर्ष उन्होंने अहमदाबाद के पास साबरमती आश्रम स्थापित किया। वर्ष 1917 में भारत में अपना पहला आन्दोलन चम्पारण, वर्ष 1918 में सत्याग्रह अहमदाबाद जैसे आन्दोलनों का नेतृत्व किया। उन्होंने रॉलेट एक्ट, जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड का विरोध किया। महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन

के विरुद्ध "सविनय अवज्ञा आन्दोलन", सन् 1942 में "भारत छोड़ो आन्दोलन" चलाया तथा "करो या मरो" (Do or Die) का नारा दिया। महात्मा गाँधी ने सदैव ही रचनात्मक कार्यक्रम अपनाने पर बल दिया। उनके द्वारा हिन्दू-मुस्लिम एकता, दलितोद्धार, नारी-कल्याण, मद्य-निषेध, हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहन आदि की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। गाँधीजी ने भारतीयों को अंग्रेजी शासन से वर्ष 1947 में मुक्ति दिलायी। गाँधीजी भारत विभाजन के पक्षधर नहीं थे। 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गाँधी की हत्या कर दी।

गाँधीजी की कृतियाँ- गाँधीजी ने अपने सिद्धांतों का प्रतिपादन प्रमुख रूप से दो पुस्तकों "हिन्द स्वराज" (Hind Swaraj) तथा "अपनी आत्मकथा" में किया है, जिसका नाम "सत्य के साथ मेरे प्रयोग" (My Experiment with Truth) रखा गया है। उनकी अन्य रचनाएँ- "शान्ति और युद्ध में अहिंसा" (Non-violence in peace and war), "नैतिक धर्म" (Ethical Religion), "सत्याग्रह" (Satyagraha), "सत्य ही ईश्वर है" (Truth is God), "सर्वोदय" (Sarvodaya), "साम्प्रदायिक एकता" (Communal Unity), "अस्पृश्यता निवारण" (The Removal of Untouchability) आदि हैं। इसके अतिरिक्त गाँधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में "इण्डियन ओपीनियन" (Indian Opinion) नामक साप्ताहिक पत्र का, भारत में "यंग इण्डिया" (Young India), 'हरिजन' (Harijan), नवजीवन, हरिजन सेवक आदि पत्रों का सम्पादन करते हुए अपने विचारों का प्रतिपादन किया। वर्ष 1969 में गाँधी शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा गाँधी के सभी लेखों और भाषणों के प्रमाणित संग्रह कई खण्डों में प्रकाशित किए गये हैं।

Scanned with CamScanner